पाठ ५६

1. दृष्टान्त कथी ह ?
   - दृष्टान्त अइसन कथा बा जउन परमेश्वरके सत्य बतावेला ।
2. येशु कहे आदमीसबके दृष्टान्तमे शिक्षा देवेलालु ?
   - यद्यपि बहुत आदमीसब यिशुके पछ्यावेला लेकिन ओकुनीसब मे से बहुत लोग वहामे विश्वास नइखे करी ।
3. बीया कथी ह ?
   - बीज परमेश्वरके वचन ह ।
4. बीया बोएवाला कउन बा ?
   - परमेश्वरके वचन जउन सिखावेला ऊ बीयाबोएवाला बा ।
5. कउन लोगसब ऊ राह जइसन बा ?
   - जेकराके हृदय कडा बा ।
   - परमेश्वरके वचन ओकुनीसबके हृदयमे रोपके नइखे पाइल ।
   - ओकराके बाद सैतान आवेला आ ओकुनिसबसे परमेश्वरके वचन छिनके लिएला ।

6. कइसन आदमीके हृद्य अइसन जमिन जइसन बा ?
   - उपर यि आदमी कहलन कि ऊ परमेशेवरमे विश्वास करेला लेकिन निचे ओ लोग विश्वास ना करेला ।
7. कइसन आदमीसब अइसन जगा जइसन बा ?

- यी आदमीसब कहलन कि ओकुनीसब परमेश्वरमे विश्वास करेला लेकिन ओकुनीसबके इच्छासब परमेश्वरसे बहुत महत्वपूर्ण ठानेला ।

8. कइसन आदमीसब असल माटी जइसन बा ?
   - यी आदमीसब परमेश्वरके वचन सुनेला आ पूर्ण रूपसे सुनेला आ अउरो ज्यादा फल दिएला ।

- यिशु साँझ ना भेला तकल सिखाइल ।
- ओकराके बाद यिशु आ वहांके चेलासब गालील समुद्र पार करेलाके एगो डेङ्गीमे बैइठ गइल ।

मर्कुस ४:३५-३७ पढलजाइ ।

वही दिन जब साझ भइल त ऊ अपना चेलनसे कहलन आवलो हमनीके वह पार चलि जा अउर ऊ लोग भिडके छोडके जइसे ऊ रहले वइसही नाउपर ले चचले अउर ओ लोगके साथे अउर भि नाउ रहे अउर जोरसे अन्धर आइल अउर नाउपर जोरसे हानल कि अब ऊ पानीसे भरे लागल ।

1. वहां सब समुन्दर पार करेला त कथी भइल ?
   - एगो भयङ्कर आँधी आइल ।
   - आँधी बहुत जोडके आइल रहे त छालसब बहुत शक्तिशाली रहे कि नाउ डुबेलाके डर रहे ।

2. यिशु कहां रहेला ?

मर्कुस ४:३८ पढलजाइ

अउर यिशु नाउके पछिलका हिस्सामे गद्दीपर सुतल रहेले । तब चेला लोग जगाके उनकरासे कहलन । हे गुरु मारो बचालो हमनीके डुबतरनी । अपनेके कउनो वस्ता नइखे ।

3. यिशु काहे सुतलरहले ?
   - काहेकि यिशु दिनभरि भीडके शिक्षा दिएलाके थकगेल ।

4. यिशु काहे थकगेल ?
   - यद्यपि यिशु पूर्ण रूपसे परमेश्वर बाडे आ वहां पूर्ण रुफसे मापन भी बाडे ।

5. काहकि नाउ डुबेके खतरा भइल त चेलासब कथी कइलन ?

मर्कुस ४:३८ख पढलजाइ ।

हे गुरु मारो बचालो हमनीके डुबतरनी । अपनेके कउनो वस्ता नइखे ।

- चेलासब यिशुके ब्युँझाइल ।

6. चेलासब यिशुके का कहलन ?
   - का अपनेके हमनी डुबगेला पर भि मतलब ना रहे कहलन ।

7. का यिशु फिक्री ना कइलन ?

- यिशु बहुत वास्ता कइलन ।

मर्कुस ४:३९ पढलजाइ

तब ऊ उठके आंधीके डटलन अउर पानी से कहलन शान्त रह रुक जा । अन्धर रुकगइल अउर बडा खमोसी हो गइल ।

8. यिशु कथी कइलन ?

- यिशु बतास् आ समुद्रके शान्त भइलाके हकारलन ।

9. ओकराके बाद कथी भइल ?

- ओकराक बतास थामगेल आ समुद्र बिल्कुल शान्त भइल ।

10. यिशु कइसन बतास आ समुद्रके शान्त रहेके आदेश दिएलाके सक्षम भइल ?

- काहेकि यिशु परमेश्वर बानी ।

11. आदिमा बतासके कउन सृष्टि कइल ?

- यिशु ।

12. बतास आ समुद्र यिशुके कहलन बात काहे मानलन ?

- काहेकि बतास आ समुद्रके सृष्टि करेवाला यिशु हि रहे ।

13. बतास आ समुद्र शान्त भइलाके बाद यिशु कथी कहलन ?

मर्कुस ४:४० पद पढलजाइ

अउर यिशु चेला लोगसे कहलन तु लोग काहे डरातर जा का तुमलोगके अबले विश्वास नइखे ?

14. यिशु काहे आदमीसबमे विश्वास नइखे कहके पुछलन ?

15. ओकराके बाद चेलासब कथी जवाफ देलक ?

मर्कुस ४:४१ पद पढलजाइ

तब चेलालोग बहुत डरागेलन अउर अपनेमे बतिया करे लगलन यि के हे कि आंधी अउर पानी यिनका के हुकुमना त ।

- यद्यपि चेलासब यिशु आदमीसबके ठीक पारेला देखत रनी लेकिन ओकुनीसब यिशु बतास आ समुद्रके डांटेला ना देखलन ।
- यिशु ना कर सकेला कउनो बात नइखे ।
- यिशु परमेश्वर बारन ।
- बादमे यिशु आ वहांके चेलासब समुद्रके दोसर किनारेमे अइलन ।

मर्कुस ५:१-४ पद पढलजाय

ऊ लोग झिलके पार गिरासेनीयोके नगरमे पहुचलन । अउर जब यिशु नाउसे उतरलन त तरुन्तै एगो आदमी जउनमे भूत पेरेत रहे । कबरदान मे से निकलके उनकरासे मिलल । उ कबरगाहमे रहत रहे अउर केही ओकरासके सिकटसे ना बा ध सकत रहे काहे कि ऊ बार बार बेडीअउर सिकलसे बाधल गए । पर ऊ सिकरके दुर दे अउर बेडीके टुकडा टुकड कर देत रहे अउर केही ओकराके बशमे ना कर सकत रहे ।

16. का भुत लागेवाला आदमी भूतसबके शक्तिके अपनके बचावेलाके सक्षम रहे ?

- ना ।

17. का अउरो आदमीसब भूतसबके शक्तिसे ऊ आदमीके वचावेलाके सक्षम रहे ?
    - ना ।
    - अउरो लोग ओकराके उठावेलाके कोसिस करत रनी ।
    - लेकिन भूतसब बहुत शक्तिशाली रहे कि ओकुनीसब ऊ आदमीके बांधलरहे सब लहुके चैन चुडादिहल ।

मर्कुस ५:५ पद पढलजाइ

उ हमेसा रातदिन कबरमे अउर पहाडमे चिल्लात अउर अपनाके पथ्थलसे घायल करत रहे ।

1. भूतसब हमनी आदमीसबके घृणा करेला कहके हमनीके कइसन थाहा बा ?
    - काहेकि भूतसब आदमीके ऊ गुफामे बसेलाके बाध्य पारेला जहां मरेला आदमीके गाडदेलन ।
    - काहेकि भूतसब आदमीके आपने आपनके काटेके वाध्य पारेला ।
    - भूतसब आदमीसबके ओकुनीसबके दास बनाइलरहे ।
    - भूतसब ऊ आदमी आपनके आपने हि मरदेलन कहके चाहतरनी ।
    - काहेकि ऊ आदमीमे बहुत भूतसब रहे ओकुनीसब ओकराके बुहत चोट पहुचाइल ।

- यद्यपि सब आदमीसब अइसन आदमीजइसन जनमेला काहेकि हमनी सब भूतके दासके रूपमे जनमल रहे ।
- यी सब भूतके मालकि कउन बा ?
- शैतान ।
- शैतान आ ओकर सहयोगीसब हमनीके घृणा कइलन ।
- शैतान आ ओकरा सहयोगीसब हमनी सबके खत्तम करेलाके चाही ।
- अपनेके नियन्त्रणमे लीएके आत्मा अपनेके सहयोग करे जइसन दिखेला ।
- लेकिन ओकुनीसब अपनेके केवल ध्वस्त पारत रनी ।
- शैतान आ ओकर सहयोगीसब जीवनके उद्देश्य केवल एक रहे ।
- यहि कि ओकुनीसब जेतना सकि उतन बहुत आदमीसबके खत्तम करेके चाही ।
- शैतान आ ओकर सहयोगीसब अपने परमेश्वर आ वहां दिएवाला शक्तिमे विश्वास करेलाके नइखे चाही ।

1. ऊ आदमी यिशुके दिखेलाके बाद कथी भइल ?

मर्कुस ५:६-७ पढलजाइ ।

व यिशुके दुरेके देखेके दौरल अउर उनकराके प्रणाम कइलस् अउर जोरसे चिल्लाके कहलस हे यिशु परमप्रधान परमेश्वरके पुत्र अउर

तोहराके का काम । हम परमेश्वरके किरिया दे त नि क हम राके दुख म देवो।

2. के भूतके यिशु उद्धारकर्ता परमेश्वर बा कहके थाहा रहे ?
   - थाहा रहे ।

1. भूतके का डर रहे ?
   - यिशु अनन्द आगके दहमे फ्याकिदेवेजाइलन कि कहके ऊ लोग डरागेल ।

1. कउन शैतान आ ओकर सहयोगीसबसे ज्यादा शक्तिशाली बा ?
   - परमेश्वर ।
   - परमेश्वर शैतान आ ओकर सहयोगीसब वहां जब चाहत त अनन्न आगके दहमे फेकके सकिहन ।

1. यिशु भूतसबके कथी कहलन

आवलजावो मर्कुस ५:८-१० पढलजाइ ।

काहेकि ऊ ओकरासके कहलले रहेन कि हे भूत परमेत ए आदमीसे निकल जु यिशु ओकरासे पुछलन तोहर का ना म बा ऊ ओकरासे कहलस हमार नाम सेना ह । काहेकि हमनीके बहुत बानी जा । अउर उनकरासे बहुत बिन्नी कइलस् कि हमराके य इलाकेसे बाहर मत भे ज ।

2. का भूतसबके ओकुनीसब यिशुके पराजित करेलाके सक्षम नइखे कहके थाहा रहे ?
   - हां ।

- यिशुसंगे शैतान आ ओकर सहयोगीसबके उपर के शक्ति बा ।
- अन्तेमे यिशु शैतान आ ओकर सहयोगीसबके अनन्त आगके दहमे भेजेला ।

- जेकराके परमेश्वर अनन्त आगके दहमे भेजलन ओकराके हम काहे पुजेला ।

- आत्माके पूजेलासे अच्छा परमेश्वरके आराधाना कइना बा ।

1. ओकराके बाद यिशु कथी कइलन ?

मर्कुस ५:११-१४ पद पणलजाइ

वहां पाहाडमे एगो सुअरके बड झुन्ड चरत रहे अउर नउनकीके उन्करासे बिन्ति करके कहलन स । हमनीके ऊ सुअरमे जाएके देलनस् । इइसे ऊ उननीसे हुकुम कहलन अउर भुत निकलके सुअरके भितर समा गइलन । अउर झुन्ड लगभग दु हजारके रहे किनारे परसे झिलमे पडके गिर पडलनस् अउर डुबके मर गइलन स् । सुअरनके चरवा सब डराके अउर गावंम् समाचार सुनावल । अउर जउन भइलनस लोख देखेके खातिर अइलस् ।

- काहेकि भूत यिशुसंगे बिन्ती कइलाके वहां ओकुनीसबके सअरमे रहेलाके अनुमति देलन ।

1. जब सब सुअर सब मरगेल त का ऊ भूतसब मरगेल ?

- ना ।

1. काहे सब भूतसब ना मरल ?
    - काहेकि भूतसब आत्मा बा ।
    - काहेकि भूतसबके आदमी या जनावरसब जइसन शरीर ना बा ।

1. यिशु काहे भूतसबके अनन्त आगके दहमे ना जाकदेलन ?
    - काहेकि यी भूतसबके सजाय दिएवाला परमेश्वरके समय नइखे ।
    - अन्तमे यद्यपि यिशु शैतान आ ओकर सहयोगीसबके अनन्त आगके दहमे फेंकदेलन ।

1. जब ऊ जगामे रहे आदमीसब वहां आइल त ऊ सब का देखलन ?

मर्कुस ५:१५ पढलजाइ

अउर यिशुके लगे आके ऊ लोग ओकराके जउनमे भुत परेत रहे कपडा पहिनले अउर होसमे रहे देखके डरागइले

2. का ऊ भूत लागेवाल आदमी अभिन भि भूतसबके दास रहे ?
    - ना ।

1. कउन ओकराके भूतसबके दासत्वसे मुक्त पारदेल ?
    - यिशु ।
    - ऊ आदमी अब भूतसबके दास ना रहे ।
    - ऊ आदमीके अब उद्धारकर्ता प्रभु यिशु मुक्त पारदेलन ।

1. ऊ जगामे रहेवाला आदमीसब कथी कइलन ?

मर्कुस ५:१६-१७ पद पढलजाइ

अउर देखेवाला लोग ओकर जउनमे भूत परेत रहे अउर सुअरनके सब हाल ऊ लोग सुनावलन स अउर नउनीसे यिशुसे बिन्ती करके कहे लगलनस् के हमनीके इलाकासे चलजावो ।

2. आदमीसब यिशुके काहे ऊ जगा छोडके जाएके कहलन ?
   - काहेकि ऊ लोग मुर्ख रहे ।
   - काहेकि आदमीसब परमेश्वरसे ज्यादा फिक्री सुअरके करतरनी ।
   - उद्धारकर्ता प्रभु यिशु ओकुनीसबके शैतानके दासत्वसे मुक्त पारदिएके आइलन लेकिन ओकुनीसब केवल सुअरसबके बारेमे सोचत रनी ।
   - आज बहुत आदमीसब यी आदमीसब जइसन रहे ।
   - आदमीसब यिशुसे ज्यादा हुनकर सुअरके बहुत फ्रिक्री करेला ।
   - आदमीसब यिशुसे ज्यादा हुनकर सम्पत्तिके ज्यादा फ्रिक्री करेला ।

1. का सुअर आ सम्पत्ति अपनेके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे मुक्त पारेला ?
   - ना ।
1. ओकराके बाद ऊ भूत लागेवाला आदमी यिशुसंगे कथी कहलन ?

मर्कुस ५:१८-२० पद पढलजाइ

अउर ऊ जब नाव पर चढे लगलन त ऊ जउनामे पहिले भूत परेत रहे उनकरासे बिन्ती करे लागल । हमराके अपनासाथे आवे दिहलन बाँकी ओकराके मना करदेहलन । अउर अउर ओकरासे कहलन अपना घरै जाके अपना लोगनमे बतावो कि तोहरापर दया करके प्रभुद्‌वरा खातिर चमत्कारके काम कइल बाडे । ऊ जाके दिकपुलिसमे ए बातके प्रचार करे लागन कि यिशु हमरा खातिर कइसन बड्‌का काम कइलन । अउर सब लोग अश्चरत करत रहे ।

2. यिशु काहे ऊ आदमीके आपनसंगे जाएके अनुमति ना देलन ?
    - काहेकि यिशु ऊ आदमी आपन परिवा आ अउरो आदमीके परमेश्वर ओकर निमित्त कथी करलन कहके प्रचार करो कहके चाहनी ।
    - जब परमेश्वर हमनीके शैतान आ ओकर सहयोगीसबके शक्तिसे मुक्त पारेला त ऊ बात अउरो के भि कहेलाके मुनासिब रहे कि परमेश्वर ओकुनीसबके भि दुष्ट्‌याँइसे मुक्त पारेके चाहीला ।